



राजस्थान ऊर्जा विकास नगिम और भारतीय सौर ऊर्जा नगिम के बीच समझौता

चर्चा में क्यों?

26 अगस्त, 2021 को राजस्थान ऊर्जा विकास नगिम ने 1,200 मेगावाट पवन ऊर्जा की खरीद हेतु नविदि में आई दर पर भारतीय सौर ऊर्जा नगिम (एसईसीआई) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है।

प्रमुख बंदि

- राजस्थान के ऊर्जा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने यह जानकारी देते हुए बताया कि **पवन ऊर्जा** आगामी डेढ़ वर्ष (18 महीने) में राज्य को उपलब्ध हो जाएगी।
- उन्होंने कहा कि एसईसीआई ने दसिंबर 2020 में राजस्थान की तीनों बजिली वतिरण कंपनयिों के लयि 1,200 मेगावाट पवन ऊर्जा खरीदने हेतु पवन ऊर्जा उत्पादन कंपनयिों का चयन करने की प्रक्रयिा शुरू की थी।
- राज्य सरकार की बेहतर नीतयिों के फलस्वरूप ऊर्जा वभिाग को नविदि प्रक्रयिा के दौरान निर्धारित मानदंडों के अनुसार, वभिाग को 300 मेगावाट के लयि 2.77 रुपए प्रति यूनिट और 900 मेगावाट पवन ऊर्जा के लयि 2.78 रुपए प्रति यूनिट की न्यूनतम बोली प्राप्त हुई, जो 2020-21 में राज्य की औसत बजिली खरीद लागत 4.61 रुपए प्रति यूनिट से काफी कम है।
- इन परयिोजनाओं के चालू होने पर राज्य की औसत क्रय दर में और कमी आएगी, जसिका सीधा लाभ राज्य के उपभोक्ताओं को मलैगा।
- गौरतलब है कि राजस्थान सरकार ने अपने बजट में गैर-पारंपरिक स्रोतों से प्रदेश में वदियुत उत्पादन बढ़ाने की घोषणा की थी। गैर-पारंपरिक स्रोतों के माध्यम से बजिली उत्पादन बढ़ाने और राज्य में नविशकों को प्रोत्साहित करने के लयिराज्य सरकार ने वर्ष 2019 में एक नवीनीकृत सौर एवं पवन ऊर्जा नीति भी जारी की थी।